http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

AE-1066

B.A. (Part - II)
Term End Examination, 2016-17

HINDI LITERATURE

हिन्दी साहित्य

Paper - II

हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों से उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 7×3

(क) सांच कहै तो पनही खावै। झूठे बहुविधि
पदवी पावै॥
छलियन के एका के आगे। लाख कहो एकहु
नहिं लागे॥
भीतर होई मलिन की कारो। चहिये बाहर रंग
चटकारो॥
धर्म अधर्म एक दरसाई। राजा करै सो न्याय
सदाई॥
भीतर स्वाहा बाहर सादे। राजा करहिं अमल
अरू प्यादे॥

अथवा

http://www.onlineBU.com

चुप रहो, सब लोग। राजा के होते और कौन बैकुण्ठ जा सकता है। हमको फाँसी चढ़ाओ, जल्दी जल्दी।

(ख) सामाजिक जीवन में क्रोध की जरूरत बराबर पड़ती है। यदि क्रोध न हो तो मनुष्य दूसरों के द्वारा पहुँचाए जाने वाले बहुत से कष्टों की चिरनिवृत्ति का उपाय ही न कर सके। कोई मनुष्य किसी दुष्ट के नित्य दो चार प्रहार सहता है। यदि उसमें क्रोध का विकास नहीं हुआ है तो वह केवल आह ऊह करेगा जिसका उस दुष्ट पर कोई प्रभाव नहीं। उस दुष्ट के हृदय में विवेक, दया आदि उत्पन्न करने में बहुत समय लगेगा।

अथवा

मुझे ऐसा लगता है कि बसंत भागता-भागता चलता है। देश में नहीं काल में किसी का बसंत पन्द्रह दिन का है, तो किसी का नौ महीने का।

(ग) मेरे लिए गाँव मधुबनी चित्रों की फैक्टरी नहीं है, न पिकनिक की जगह, न आधुनिक नगर सभ्यता की देह पर रिसता हुआ घाव, न तेज बदलाव की भँवर में पड़ी हुई अधनंगी जंगली तरुणी की देह, मेरे लिए गाँव एक विश्व है, अपने सम्पूर्ण 'स्व' की पहचान का एक निःश्वास सांघ दर्पन है। इसी गाँव बोध के कारण मैं विच्छिन्न वर्तमान में विश्वास नहीं करता।

अथवा

http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

''शरीर जब दूसरों पर लदा है, तब तक मुटाता है। जब अपने ही ऊपर चढ़ जाता है, तब दुबलाने लगता है। जिन्हें मोटे रहना है, वे दूसरों पर लदे रहने का सुभीता कर लेते हैं—नेता जनता पर लदता है। साधु भक्तों पर, आचार्य महत्वाकांक्षी छात्रों पर और बड़ा साहब जूनियरों पर।''

2. 'अंधेर नगरी' के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 8

अथवा

भाषा शैली की दृष्टि से 'अंधेर नगरी' नाटक की विवेचना कीजिए।

3. '' 'स्ट्राइक' नामक एकांकी में मध्यकालीन दाम्पत्य जीवन की विडम्बना और विरोधाभाष का प्रभावशाली चित्र प्रस्तुत हुआ है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए। 8

अथवा

'एक दिन' एकांकी का तात्विक समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार सामाजिक जीवन में क्रोध की क्या उपयोगिता है? 8

अथवा

'बसंत' निबंध के प्रतिपाद्य को समझाइए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : 5×3

(क) 'बेईमानी की परत' निबंध का सारांश लिखिए।

(ख) 'ललित' निबंध और 'वैचारिक' निबंध में कोई पाँच अंतर।

(ग) ब्रह्मनन्द और काव्यानंद के अंतर को समझाइए।

http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

(घ) महादेवी की प्रमुख काव्य रचनाएँ।

(ङ) हबीब तनवीर के नाटकों का परिचय कराइये।

6. किन्हीं **पन्द्रह** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : 1×15

(क) 'नाट्यशास्त्र' की रचना किसने की है ?

(ख) 'अंधेर नगरी' के रचनाकार का नाम बताइए।

(ग) 'अंधेर नगरी' नाटक में कितने अंक हैं ?

(घ) 'अंधेर नगरी' नाटक के किन्हीं तीन पात्रों के नाम लिखिए।

(ङ) 'क्रोध' निबंध के लेखक का नाम लिखिए।

(च) 'बसंत' निबंध के लेखक का नाम लिखिए।

(छ) 'बसंत' निबंध की रचना लेखक ने कहाँ की ?

(ज) 'उस अमराई ने राम-राम कही है' के लेखक का नाम लिखिए।

(झ) 'बेईमानी की परत' के लेखक कौन हैं ?

(ञ) 'स्ट्राइक' के रचनाकार कौन हैं ?

(ट) 'मम्मी ठकुराइन' के लेखक कौन हैं ?

(ठ) महादेवी का जन्म कब और कहाँ हुआ ?

(ठ) 'बादल की मृत्यु' एकांकी के एकांकीकार कौन हैं ?

(ढ) 'चरणदास चोर' के नाटककार का नाम लिखिए।

(ण) गोवर्धन दास कैसा व्यक्ति था ?

(त) हबीब तनवीर के नाटकों के नाम लिखिए।

(थ) 'नारद की वीणा' के नाटककार कौन हैं ?

(द) 'अतीत के चलचित्र' के रचयिता का नाम लिखिए।

(ध) 'ठलुआ क्लब' किसका निबंध है ?

(न) शीला किस एकांकी की नायिका है ?

http://www.onlineBU.com